अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

रजि.न.34300/80 | संख्या 96 | श्री विजय पुरम, शुक्रवार, 10 अप्रैल 2026 | web: dt.andamannicobar.gov.in | 2.00 रूपए

सर्फिंग को मिला नया ठिकाना

लिटिल अण्डमान के बटलर बे तट पर जुटे भारत के सर्वश्रेष्ठ सर्फर एवं स्टैंड–अप पैडलर, राष्ट्रीय चैम्पियनशिप शुरू

लिटिल अण्डमान, 9 अप्रैल

भारत के शीर्ष सर्फिंग एवं स्टैंड–अप पैडलिंग प्रतिभागी लिटिल अण्डमान में एकत्रित हुए हैं, जहाँ प्रतिष्ठित बटलर बे तट पर आज प्रथम लिटिल अण्डमान प्रो 2026, राष्ट्रीय सर्फिंग एवं स्टैंड–अप पैडलिंग (एसयूपी) चैम्पियनशिप का शुभारंभ हुआ। चार दिवसीय इस सर्फिंग महोत्सव का आरंभ पूर्व–आयोजन अभिव्यक्ति सत्रों के साथ हुआ, जिसका शुभारंभ अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के मुख्य सचिव डॉ. चंद्र भूषण कुमार (आईएएस) ने किया। इस अवसर पर आयुक्त–सह–सचिव श्रीमती चंचल यादव (आईएएस), निदेशक (सूचना, प्रचार एवं पर्यटन) श्री विनायक चमड़िया (आईएएस), प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी तथा भारत के प्रमुख खिलाड़ी उपस्थित रहे, जिन्होंने आगामी प्रतियोगिता की रोमांचक झलक प्रस्तुत की।

सर्फिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) द्वारा आयोजित और अण्डमान तथा निकोबार पर्यटन द्वारा पूर्णतः प्रायोजित इस चैम्पियनशिप में लगभग 100 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिताएँ पुरुष ओपन सर्फिंग, महिला ओपन सर्फिंग, एसयूपी स्प्रिंट (पुरुष एवं महिला) तथा एसयूपी टेक्निकल (पुरुष एवं महिला) श्रेणियों में आयोजित की जा रही हैं। क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक क्षण के रूप में, लिटिल अण्डमान के बड़ी संख्या में स्थानीय लोग पहली बार राष्ट्रीय स्तर पर सर्फिंग एवं स्टैंड–अप पैडलिंग का साक्षी बनने हेतु तट पर एकत्र हुए, जिसने द्वीपों के लिए एक महत्त्वपूर्ण सांस्कृतिक एवं खेल उपलब्धि का स्वरूप लिया।

यह आयोजन विशेष महत्त्व रखता है क्योंकि यह भारत के सर्फिंग सत्र का प्रमुख आरंभिक आयोजन है, ऐसे वर्ष में जब देश एशियाई खेल जापान 2026 में पहली बार सर्फिंग स्पर्धा में पदार्पण करने जा रहा है। हालिया एशियाई सर्फिंग चैम्पियनशिप में भारत द्वारा क्वालीफिकेशन कोटा प्राप्त किए जाने के बाद, लिटिल अण्डमान प्रो जैसे घरेलू आयोजन खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मंच के लिए तैयार करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

पुरुष सर्फिंग वर्ग में किशोर कुमार, शिवराज बाबू, श्रीकांत डी. और रमेश बुधियाल प्रमुख दावेदार हैं। किशोर कुमार भारत के अग्रणी अंतरराष्ट्रीय सर्फरों में गिने जाते हैं, जिन्होंने ताइवान में आयोजित एशियाई सर्फिंग चैम्पियनशिप में रजत पदक जीता था तथा महाद्वीपीय स्तर पर सेमीफाइनल तक पहुँचने वाले पहले भारतीयों में शामिल हुए। शिवराज बाबू राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में निरंतरता के लिए जाने जाते हैं, जबकि श्रीकांत डी. ने घरेलू मंच पर अनेक पदक अर्जित किए हैं। भारत की अंतरराष्ट्रीय टीम का हिस्सा रहे रमेश बुधियाल ने भी हालिया प्रतियोगिताओं में लगातार प्रगति प्रदर्शित की है।

महिला वर्ग में कमाली प्रकाश, शुगर शांति एवं सृष्टि सेल्वम अग्रणी प्रतिभागियों में शामिल हैं। कमाली प्रकाश भारत की सर्वाधिक चर्चित सर्फिंग प्रतिभाओं में से एक हैं और अनेक अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में देश का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। शुगर शांति और सृष्टि सेल्वम राष्ट्रीय सर्किट में मजबूत दावेदार के रूप में उभरी हैं, जो भारतीय महिला

शेष पृष्ठ 4 पर

रियर एडमिरल आलोक आनंद, वाईएसएम, फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग, पूर्वी बेड़ा, भारतीय नौसेना ने आज भारतीय नौसेना के पूर्वी बेड़े की अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के समुद्री क्षेत्र में तैनाती के दौरान लोक निवास में अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल एवं द्वीप विकास एजेंसी के उपाध्यक्ष एडमिरल डी. के. जोशी, पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, एनएम, वीएसएम (अ.प्रा.) से शिष्टाचार भेंट की।

अण्डमान के पक्षीप्रेमी पुलिसकर्मी को मिला टैग लगा प्रवासी पक्षी, मुंबई के विशेषज्ञ ने की पहचान

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह सैकड़ों उष्णकटिबंधीय द्वीपों का समूह है, जो अपनी समृद्ध जैव विविधता एवं पारिस्थितिक महत्त्व के लिए जाना जाता है

एक दुर्लभ एवं वैज्ञानिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण अवलोकन में, दक्षिण ऑस्ट्रेलिया में टैग किए गए एक प्रवासी तटीय पक्षी को लगभग 7,500 किलोमीटर की यात्रा के बाद अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के दूरस्थ नारकोंडम द्वीप पर दर्ज़ किया गया है।

भारतीय मुख्यभूमि से लगभग 1,200 किलोमीटर दूर बंगाल की खाड़ी और अण्डमान सागर के मध्य स्थित अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह सैकड़ों उष्णकटिबंधीय द्वीपों से मिलकर बना है, जो अपनी समृद्ध जैव विविधता और पारिस्थितिक महत्त्व के लिए प्रसिद्ध हैं। इनमें से सबसे पृथक एवं दुर्गम द्वीपों में से एक नारकोंडम द्वीप है, जहाँ पहुँचना अत्यंत कठिन है और आबादी भी बहुत कम है। इस पक्षी की पहचान सैंडरलिंग (ब्रसपकतपे सइ) के रूप में हुई, जिसकी तस्वीर अण्डमान पुलिस के संचार स्कंध में कार्यरत सहायक उप–निरीक्षक जी. थिकन्ना ने ली। पक्षी अवलोकन के शौकीन थिकन्ना अण्डमान एवियंस क्लब से जुड़े हैं और द्वीपों में पक्षी संरक्षण एवं जागरूकता को बढ़ावा देने में सक्रिय भूमिका निभाते हैं।

थिकन्ना एक माह के कार्यकाल हेतु श्री विजय पुरम से लगभग 140 समुद्री मील दूर स्थित नारकोंडम द्वीप पर तैनात थे, जब उन्होंने यह अवलोकन किया। द्वीप पर जीवन अत्यंत चुनौतीपूर्ण है, जहाँ मोबाइल नेटवर्क उपलब्ध नहीं है तथा सीमित समय के लिए पोर्टेबल जनरेटर से बिजली आपूर्ति की जाती है।

16 जून, 2025 की सुबह नियमित तटीय निरीक्षण के दौरान थिकन्ना ने ज्वार–भाटा क्षेत्र के किनारे एक छोटे तटीय पक्षी को चलते हुए देखा। उसके पैरों में लगे रंगीन टैग ने उनका ध्यान आकर्षित किया। इस अवलोकन के महत्त्व को समझते हुए उन्होंने तुरंत अपना कैमरा निकाला और पक्षी के चित्र लिए।

चित्रों में तीन विशिष्ट चिन्ह दिखाई दिए–दाहिने पैर में घुटने के ऊपर लाल ध्वजाकार टैग, घुटने के नीचे पीला टैग तथा बाएँ पैर में धातु की रिंग। लाल टैग पर "डीवाईएम" अंकित था। यद्यपि उन्होंने प्रारंभ में यह जानकारी अनौपचारिक रूप से अपने मित्रों के साथ साझा की, किन्तु कार्य व्यस्तताओं के कारण यह रिपोर्ट नहीं हो सकी। मार्च, 2026 में इस अवलोकन को नई दिशा मिली, जब मुंबई के पक्षी विज्ञानी डॉ. राजू कसांबे, जो बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी के पूर्व सहायक निदेशक

शेष पृष्ठ 4 पर

प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण के अंतर्गत आवंटित भूमि के सीमांकन की समय–सारणी

श्री विजय पुरम, 9 अप्रैल

सामान्य जन एवं समस्त संबंधित लाभार्थियों को सूचित किया जाता है कि प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण (पीएमएवाई–जी) के अंतर्गत भूमिहीन लाभार्थियों को आवंटित भूमि खंडों का सीमांकन चरणबद्ध कार्यक्रम के अनुसार दक्षिण अण्डमान के फरारगंज तहसील में किया जाएगा। यह सीमांकन कार्य दक्षिण अण्डमान ज़िला प्रशासन द्वारा किए जा रहे सतत प्रयासों का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य पात्र लाभार्थियों को आवंटित भूमि का स्पष्ट एवं निर्विवाद कब्ज़ा सुनिश्चित करना है, ताकि योजना के अंतर्गत आवास निर्माण कार्य समयबद्ध रूप से प्रारंभ किया जा सके। इस पहल का उद्देश्य पात्र लाभार्थियों तक आवासीय लाभों के क्रियान्वयन में तेजी लाना है।

ग्रामवार सीमांकन कार्यक्रम निम्नानुसार है:

- 9 अप्रैल, 2026 : शोर प्वाइंट, बम्बूफ्लाट–1, विम्बर्लीगंज
- 10 अप्रैल, 2026 : बृंदाबन, फरारगंज
- 11 अप्रैल, 2026 : विम्बर्लीगंज, कन्यापुरम, टुसनाबाद, नमूनाघर
- 13 अप्रैल, 2026 : मनारघाट, शोल बे, टुसनाबाद, मीठाखाड़ी
- 15 अप्रैल, 2026 : गुप्तापाड़ा

दक्षिण अण्डमान के उपायुक्त द्वारा जारी विज्ञप्ति में उपरोक्त क्षेत्रों में पीएमएवाई–जी के अंतर्गत भूमि प्राप्त सभी लाभार्थियों से अनुरोध किया गया है कि वे निर्धारित तिथियों पर अपने–अपने स्थलों पर उपस्थित रहें। लाभार्थियों को सीमांकन प्रक्रिया में सुविधा हेतु संबंधित आवंटन दस्तावेज़ एवं पहचान पत्र साथ लाने की सलाह दी गई है। दक्षिण अण्डमान ज़िला प्रशासन कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु अपनी प्रतिबद्धता दोहराता है तथा सभी संबंधित पक्षों से इस प्रयास में सहयोग प्रदान करने का आग्रह करता है।

एपीएस, ब्रिचगंज में प्रभावी संचार एवं नई शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन पर कार्यशाला हुई

श्री विजय पुरम, 9 अप्रैल

अण्डमान तथा निकोबार कमान के तत्वावधान में संचालित आर्मी पब्लिक स्कूल (एपीएस), ब्रिचगंज द्वारा "प्रभावी संचार एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन" विषय पर एक दिवसीय सार्थक कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 तथा राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा 2023 की परिकल्पना के अनुरूप आयोजित की गई, जिसमें रटंत अधिगम से हटकर छात्र–केंद्रित, अनुभवात्मक एवं जिज्ञासा–आधारित शिक्षण

पद्धतियों पर बल दिया गया।

कार्यशाला का संचालन वरिष्ठ शिक्षाविद् डॉ. पूनम टंडन द्वारा किया गया, जिनके पास 25 वर्षों से अधिक का शिक्षण अनुभव है। उन्होंने रसायन विज्ञान में पीएचडी तथा काउंसलिंग एवं फैमिली

शेष पृष्ठ 4 पर

परिवहन निदेशालय तथा एसटीएस बस टर्मिनस में विधि जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

श्री विजय पुरम, 9 अप्रैल

अण्डमान तथा निकोबार राज्य विधि सेवा प्राधिकरण (एसएलएसए) द्वारा 8 एवं 9 अप्रैल को प्रभावशाली विधि जागरूकता कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की गई। ये सत्र परिवहन निदेशालय तथा राज्य परिवहन सेवा बस टर्मिनस में आयोजित किए गए, जिनका मुख्य विषय कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न से संरक्षण (पोश) अधिनियम तथा बाल सुरक्षा रहा।

कार्यक्रम में कलकत्ता उच्च न्यायालय, पोर्ट ब्लेयर सर्किट बेंच के रजिस्ट्रार एवं अण्डमान तथा निकोबार राज्य विधि सेवा प्राधिकरण (एसएलएसए) के सदस्य सचिव श्री राशिद आलम मुख्य रूप से उपस्थित रहे। अपने संबोधन में उन्होंने विधि सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 का व्यापक अवलोकन प्रस्तुत करते हुए समाज के कमज़ोर वर्गों के लिए उपलब्ध विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने पोश अधिनियम की विधि रूपरेखा का विस्तृत वर्णन करते हुए शिकायत दर्ज़ करने की प्रक्रिया तथा सुरक्षित कार्यस्थल बनाए रखने में आंतरिक शिकायत

शेष पृष्ठ 4 पर

द्वीप खाद्य महोत्सव 2026 हेतु आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ी

श्री विजय पुरम, 9 अप्रैल

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन का पर्यटन विभाग 17 से 19 अप्रैल, 2026 तक प्रदर्शनी मैदान, श्री विजय पुरम में "स्वाद, संस्कृति और परंपरा का उत्सव" विषय पर द्वीप खाद्य महोत्सव 2026 का आयोजन करेगा। इस संबंध में सूचित किया जाता है कि खाद्य स्टॉल हेतु आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 13 अप्रैल, 2026 शाम 4 बजे तक कर दी गई है। खाद्य विक्रेताओं, स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी), रेस्टोरेंट संचालकों तथा विभिन्न विभागों से बड़ी संख्या में आवेदन पहले ही प्राप्त हो चुके हैं।

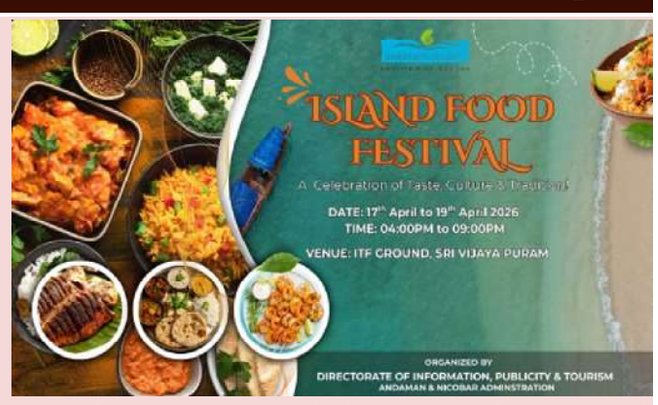

तथापि, अभी भी 15 स्टॉल रिक्त हैं तथा इच्छुक व्यक्तियों, होटल व्यवसायियों, रेस्टोरेंट संचालकों, स्वयं सहायता समूहों, राज्य सांस्कृतिक संघों एवं गैर–सरकारी संगठनों (एनजीओ) से इस आयोजन में भाग लेने हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं, ताकि "स्वाद, संस्कृति और परंपरा" की भावना को प्रोत्साहित किया जा सके। अतः जो इच्छुक व्यक्ति द्वीपों की संस्कृति एवं परंपरा को प्रदर्शित करने वाली पारंपरिक कला एवं हस्तशिल्प का विक्रय अथवा प्रदर्शन करना चाहते हैं, वे भी स्टॉल/स्थान हेतु आवेदन कर सकते हैं।

कैम्पबेल बे में बारह दिवसीय फास्ट फूड प्रशिक्षण प्रारंभ

कैम्पबेल बे, 9 अप्रैल

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई)–ग्रामीण स्वरोज़गार प्रशिक्षण संस्थान (आरएसईटीआई) द्वारा आयोजित 12 दिवसीय फास्ट फूड प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ सुदूर दक्षिणी द्वीपसमूह के ग्रेट निकोबार के कैम्पबेल बे में किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में प्रशिक्षण का उद्घाटन करते हुए सहायक आयुक्त, कैम्पबेल बे श्री शिवम ताशी धावा ने प्रशिक्षणार्थी महिलाओं को कौशल अर्जित करने हेतु आगे आने पर बधाई दी तथा उन्हें इस अवसर का लाभ उठाते हुए अपने क्षेत्र अथवा कैम्पबेल बे के सार्वजनिक स्थलों पर फूड जॉइंट/कियोस्क स्थापित करने की सलाह दी।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित पंचायत समिति कैम्पबेल बे के प्रमुख श्री ई. एस. राजेश ने महिलाओं की वित्तीय आत्मनिर्भरता के महत्त्व पर बल देते हुए कहा कि महिलाओं को राष्ट्र की आर्थिक प्रगति में सक्रिय भागीदार बनना चाहिए। कार्यक्रम में बीडीओ श्री शेखर राय, प्रधान कैम्पबेल बे ग्राम पंचायत श्रीमती रमेश्वरी, प्रधान गोविंदनगर पंचायत श्री जी. वेंकट राव तथा प्रधान लक्ष्मी नगर पंचायत श्री प्रह्लाद सिंह भी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण हेतु विभिन्न स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की कुल 35 महिलाओं ने नामांकन कराया है।

ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर से ग्रसित बच्चों हेतु विशेष ओपीडी क्लिनिक

श्री विजय पुरम, 9 अप्रैल

'विश्व होम्योपैथी दिवस 2026' के उपलक्ष्य में आयुष अस्पताल, जंगलीघाट में ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर से ग्रसित बच्चों हेतु एक विशेष ओपीडी क्लिनिक का उद्घाटन कल किया गया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य सेवा निदेशक डॉ. एच. एम. सिद्धाराजू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि सीआरसी, ब्रुक्शाबाद की निदेशक श्रीमती सुमितामोल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। उप निदेशक (आयुष) डॉ. कल्याण पी. कड्माने भी इस अवसर पर मौजूद रहे। अपने संबोधन में डॉ. सिद्धाराजु ने आयुष विभाग की इस पहल की सराहना करते हुए अभिभावकों से इस विशेष सुविधा का अधिकतम लाभ उठाने का आग्रह किया। श्रीमती सुमितामोल ने ऑटिज़्म से प्रभावित बच्चों के व्यवहारगत पैटर्न पर प्रकाश डालते हुए जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार चिकित्सा अधिकारी (होम्योपैथी) डॉ. सुप्रिया अरंगी ने ऑटिज़्म से ग्रसित बच्चों के उपचार में होम्योपैथी की भूमिका का विस्तृत वर्णन किया। वहीं चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ. मानबिका दत्ता ने विश्व होम्योपैथी

दिवस के अवसर पर आयुष द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। यह विशेष ओपीडी प्रत्येक बुधवार (सार्वजनिक अवकाश को छोड़कर) सुबह 8.30 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक तथा शाम 3 बजे से शाम 4 बजे तक संचालित होगी, जिससे ऑटिज़्म प्रभावित बच्चों को नियमित एवं समर्पित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा सके।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के तहत कार निकोबार में प्रशिक्षण सत्र

कार निकोबार, 9 अप्रैल

आगामी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) 2026 के उपलक्ष्य में स्वास्थ्य सेवा निदेशालय के आयुष स्कंध और अण्डमान तथा निकोबार राज्य आयुष सोसाइटी (एनएएम) द्वारा अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में सक्रिय जनभागीदारी के साथ काउंटडाउन गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन 21 जून, 2026 को किया जाएगा। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इसी क्रम में, आईडीवाई 2026 हेतु प्रारंभिक प्रशिक्षण सत्र 7 अप्रैल, 2026 को बीजेआर अस्पताल, कार निकोबार के योग हॉल में योग प्रशिक्षक श्रीमती सिरोमणि कुमारी के पर्यवेक्षण में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण सत्र में सीएचओ, एएनएम, आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं सहित 40 क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। सत्र के दौरान प्रतिभागियों को कॉमन योगा प्रोटोकॉल,

उसके स्वास्थ्य लाभों तथा आईडीवाई गतिविधियों के दौरान अपनाई जाने वाली सही तकनीकों का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

नगरपालिका दुकानों में अवैध अतिक्रमण के विरूद्ध चेतावनी

श्री विजय पुरम, 9 अप्रैल

श्री विजय पुरम नगरपालिका परिषद (एसवीपीएमसी) को अपने अधिकार क्षेत्र अंतर्गत नगरपालिका दुकानों में कुछ किरायेदारों द्वारा सरकारी संपत्ति पर अनधिकृत विस्तार एवं अवैध अतिक्रमण किए जाने संबंधी अनेक शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इस संबंध में किरायेदारों को स्मरण कराया गया है कि अण्डमान तथा निकोबार नगरपालिका विनियमन के प्रावधानों के अनुसार, आवंटन आदेशों में निर्धारित नियम एवं शर्तों का उल्लंघन करने वाले किसी भी किरायेदार के विरुद्ध नगरपालिका प्राधिकरण आवश्यक कार्रवाई कर सकता है। प्राप्त विज्ञप्ति में अतः सभी किरायेदारों को सलाह दी गई है कि वे सुनिश्चित करें कि उनकी दुकानें एवं उनसे संबंधित गतिविधियाँ मूल आवंटन दिशानिर्देशों के पूर्ण अनुरूप हों। निर्देशों का पालन न करने की स्थिति में, संबंधित नियमों के तहत अनधिकृत विस्तार हटाने एवं आवंटन निरस्तीकरण सहित आवश्यक प्रवर्तन कार्रवाई की जा सकती है।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के विभिन्न पृष्ठ 1 का शेष

सर्फिंग की बढ़ती गहराई को दर्शाता है।

प्रतियोगिता से परे, यह आयोजन भारत में सर्फिंग के प्रमुख केंद्र के रूप में अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के बढ़ते महत्त्व को भी रेखांकित करता है। स्वच्छ जल, प्रवाल भित्तियाँ तथा निरंतर लहरों के अनुकूल पैटर्न के कारण लिटिल अण्डमान प्रतिस्पर्धी सर्फिंग के लिए विश्वस्तरीय परिस्थितियाँ प्रदान करता है। इस क्षेत्र में पहली बार राष्ट्रीय चैम्पियनशिप की मेज़बानी कर अण्डमान पर्यटन द्वीपों को साहसिक पर्यटन के प्रमुख गंतव्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इस पहल से खिलाड़ियों, सहयोगी दलों और सर्फिंग प्रेमियों के आगमन के माध्यम से पर्यटन को उल्लेखनीय बढ़ावा मिलने की संभावना है, साथ ही खेल एवं उससे संबंधित आर्थिक गतिविधियों के जरिए स्थानीय समुदायों के लिए दीर्घकालिक अवसर भी सृजित होंगे। शीर्ष प्रतिभाओं, उच्च गुणवत्ता वाली लहरों और बढ़ती राष्ट्रीय रुचि के साथ,

लिटिल अण्डमान प्रो 2026 रोमांचक प्रतिस्पर्धा के चार दिन प्रस्तुत करने के साथ–साथ वैश्विक सर्फिंग परिदृश्य में भारत की उपस्थिति को और सुदृढ़ करने का वादा करता है।

द्वीप खाद्य महोत्सव 2026 हेतु आवेदन पृष्ठ 1 का शेष

द्वीप खाद्य महोत्सव 2026 हेतु स्टॉल/स्थान शुल्क विवरण			
क्र.सं.	श्रेणी	विवरण	सुरक्षा जमा (वापसी योग्य)
1	राज्य संघ एवं स्वयं सहायता समूह (एसएचजी)	स्टॉल निःशुल्क आवंटित किए जाएंगे	
2	खाद्य स्टॉल (लाइव कुकिंग)	4,500 प्रतिदिन	6000 रूपए
3	खाद्य स्टॉल (पैक्ड फूड/कला एवं हस्तशिल्प)	3,500 प्रतिदिन	
4	खुला स्थान (मनोरंजक खेल/ बाउंसी/प्रचार)	03 दिनों हेतु 486.11 रूपए प्रति वर्ग मीटर (उदाहरणतः 10 वर्ग मीटर = 4,861 रूपए)	

सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार स्टॉलों का आवंटन आवेदन पत्र में उल्लिखित नियम एवं शर्तों के अनुसार लॉटरी प्रणाली के माध्यम से किया जाएगा, जिससे निष्पक्ष एवं पारदर्शी प्रक्रिया सुनिश्चित की जा सके। विस्तृत नियम एवं शर्तों सहित आवेदन पत्र संचालन अनुभाग, सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय, श्री विजय पुरम से प्राप्त किए जा सकते हैं तथा वहीं जमा भी किए जा सकते हैं। अधिक जानकारी अथवा स्पष्टीकरण हेतु प्रबंधक (संचालन), सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय, मोबाइल संख्या–9933255364 तथा श्री चंदर राव, एचकेएएम, मोबाइल संख्या–9933260324 से संपर्क किया जा सकता है।

अण्डमान के पक्षीप्रेमी पुलिसकर्मी को मिला पृष्ठ 1 का शेष

तथा मुंबई बर्ड कट्टा के संस्थापक हैं, पक्षी अवलोकन यात्रा पर दक्षिण अण्डमान पहुँचे।

थिकन्ना द्वारा साझा की गई तस्वीरों की समीक्षा के बाद डॉ. कसांबे ने पक्षी की पहचान सैंडरलिंग के रूप में पुष्टि की, जो एक लंबी दूरी तय करने वाला प्रवासी जलपक्षी है और एशिया, यूरोप तथा उत्तर अमेरिका के आर्कटिक क्षेत्रों में प्रजनन करता है। ईस्ट एशियन–ऑस्ट्रेलेशियन लाईवे (ईएएएफ) रंग–चिह्नांकन प्रोटोकॉल के आधार पर आगे के विश्लेषण से पता चला कि इस पक्षी को दक्षिण ऑस्ट्रेलिया में टैग किया गया था। इसके पश्चात ईएएएफ टीम से संपर्क में ज्ञात हुआ कि इस पक्षी को 13 अप्रैल, 2025 को शोधकर्ता मॉरीन क्रिस्टी द्वारा दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के पोर्ट मैकडॉनेल के समीप डेंजर पॉइंट, ब्राउन बे में टैग किया गया था।

डॉ. कसांबे ने कहा, "इससे संकेत मिलता है कि यह पक्षी अपने उत्तरगामी प्रवास के दौरान, आर्कटिक स्थित प्रजनन स्थलों की ओर जाते हुए, मात्र दो माह से कुछ अधिक समय में नारकोंडम द्वीप पहुँच गया। इसने सीधी रेखा में लगभग 7,472 किलोमीटर की दूरी तय की थी और तब भी अपने अंतिम गंतव्य तक नहीं पहुँचा था।" यह अवलोकन नारकोंडम द्वीप पर किसी टैग लगे पक्षी की पहली दर्ज़ पुनः–दृष्टि है, जो द्वीप के पृथक होने के बावजूद उसके पारिस्थितिक महत्त्व को रेखांकित करता है। उल्लेखनीय है कि नारकोंडम द्वीप विश्व में केवल यहीं पाए जाने वाले नारकोंडम हॉर्नबिल का भी प्राकृतिक आवास है, जो द्वीप की विशिष्ट जैव विविधता को और अधिक रेखांकित करता है। (स्रोतः https://www.deccanherald.com/)

परिवहन निदेशालय तथा एसटीएस बस पृष्ठ 1 का शेष

समिति (आईसीसी) की महत्त्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम में महिला हेल्पलाइन 181 की प्रभारी श्रीमती शांति मुरुगेशन ने अधिनियम के अंतर्गत दुराचार की परिभाषा तथा उसके मनोवैज्ञानिक एवं सामाजिक प्रभावों का विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत किया। उप निदेशक (परिवहन) श्री बी. बिनॉय ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि आमजन से प्रत्यक्ष रूप से जुड़े परिवहन अधिकारियों के लिए इस प्रकार की जागरूकता अत्यंत महत्त्वपूर्ण है।

एपीएस, ब्रिचगंज में प्रभावी संचार पृष्ठ 1 का शेष

थेरेपी में मास्टर डिग्री प्राप्त की है। दो घंटे के इस संवादात्मक सत्र में शिक्षकों को छात्र सहभागिता, जिज्ञासा एवं ज्ञान–स्मरण बढ़ाने हेतु साक्ष्य–आधारित तकनीकों से अवगत कराया गया।

सत्र पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए विद्यालय के वरिष्ठ स्कंध के एक शिक्षक ने कहा कि इस कार्यशाला ने शिक्षकों को विद्यार्थियों के दृष्टिकोण से अधिगम को पुनर्विचार करने के लिए प्रेरित किया तथा कक्षाओं को अधिक जीवंत एवं आकर्षक बनाने की व्यावहारिक रणनीतियाँ प्रदान कीं। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यशाला की प्रमुख विशेषताओं में सिद्धांत को वास्तविक जीवन के अनुप्रयोगों से जोड़ने वाला अनुभवात्मक अधिगम, सहपाठी शिक्षण एवं समूह चर्चा जैसी सहयोगात्मक पद्धतियाँ, जर्नल लेखन एवं एग्जिट टिकट जैसी चिंतनशील प्रक्रियाएँ तथा ऐसे संवादात्मक प्रारूप शामिल थे, जो विद्यार्थियों को अपने अधिगम की ज़िम्मेदारी लेने हेतु प्रेरित करते हैं। प्रासंगिक उदाहरणों एवं रोचक चर्चाओं ने सत्र को व्यावहारिक तथा प्रेरणादायक बनाए रखा। आर्मी पब्लिक स्कूल, ब्रिचगंज क्षेत्र

में शैक्षिक नवाचार का नेतृत्व करते हुए, अण्डमान तथा निकोबार कमान के अंतर्गत भविष्य के लिए तैयार शिक्षार्थियों के निर्माण हेतु अपनी प्रतिबद्धता को निरंतर सुदृढ़ कर रहा है।

'डीब्राइट' में आईडीई बूटकैंप 2026 के चौथे दिन उद्योगोन्मुखी शिक्षण सत्र संचालित

श्री विजय पुरम, 9 अप्रैल

यहां के डॉ. बी. आर. अंबेडकर प्रौद्योगिकी संस्थान (डीब्राइट) में आयोजित आईडीई बूटकैंप 2026 के चौथे दिन प्रतिभागियों को उद्योगोन्मुखी शिक्षण अनुभव प्रदान किया गया, जिसमें उत्पाद अभिकल्पना सिद्धांतों को व्यावहारिक उद्यमिता दृष्टिकोण के साथ जोड़ा गया। प्रातःकालीन सत्र का संचालन वाधवानी फाउंडेशन की इनोवेशन वेंचर कैटेलिस्ट एवं डिज़ाइन थिंकिंग विशेषज्ञ श्रीमती अंबुमति द्वारा किया गया। उन्होंने उत्पाद डिज़ाइन एवं विकास के प्रमुख पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला, जिनमें प्री–लॉन्च रणनीतियाँ तथा स्टार्टअप उपक्रमों में विकास चरण की लागतों की अग्रिम योजना का महत्त्व शामिल था। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार दिन का प्रमुख आकर्षण श्री अरुण बेपारी द्वारा "डिज़ाइन टू डिलाइटः क्राफ्टिंग प्रोडक्ट्स विद यूएक्स एंड एर्गोनॉमिक्स" विषय पर विशेषज्ञ सत्र रहा। कार्यक्रम का समापन वीवाईएएसएन के

संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अंकुर दास के संवादात्मक सत्र के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने स्टार्टअप यात्रा से जुड़े व्यावहारिक अनुभव साझा किए तथा सफल उद्यम स्थापित एवं संचालित करने हेतु आवश्यक चुनौतियों, निर्णय–प्रक्रिया एवं धैर्य पर प्रकाश डाला।

रंगत में 8वें राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा आरम्भ हुआ

रंगत, 9 अप्रैल

आईसीडीएस परियोजना, रंगत, मध्य अण्डमान द्वारा आज 8वें राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा के उद्घाटन दिवस का उत्साह एवं सामुदायिक सहभागिता के साथ आयोजन किया गया। पोषण स्वास्थ्य के प्रति जन–जागरूकता बढ़ाने हेतु जागरूकता रैली का शुभारंभ सहायक आयुक्त (रंगत) श्री दीपांशु वोहरा ने तहसीलदार, रंगत एवं बीडीओ, रंगत की उपस्थिति में किया। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने "जीवन के प्रथम छह वर्षों में मस्तिष्क विकास को अधिकतम बनाएं" जैसे नारों एवं तख्तियों के साथ रंगत क्षेत्र के प्रमुख स्थानों से होकर मार्च निकाला। रैली के उपरांत पंचायत समिति सभागार, रंगत में एक औपचारिक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें सहायक आयुक्त, रंगत ने अपने मुख्य संबोधन में पोषण पखवाड़ा के व्यापक उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने विभिन्न प्रकार के मिलेट

आधारित व्यंजन तैयार कर प्रदर्शित किए, जिससे यह दर्शाया गया कि पारंपरिक अनाजों को किस प्रकार स्वादिष्ट एवं पोषक भोजन में परिवर्तित किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, एक 'डू–इट–योरसेल्फ' (डीआईवाई) कॉर्नर में पुनर्चक्रित सामग्री से निर्मित शिक्षण सहायक सामग्री एवं घरेलू उपयोग की वस्तुओं का प्रदर्शन किया गया, जो आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों की रचनात्मक सहभागिता हेतु अपनाए जा रहे नवाचारों को प्रदर्शित करता है।

एनकॉल के विद्यार्थियों ने सेल्यूलर जेल का शैक्षणिक भ्रमण किया

श्री विजय पुरम, 9 अप्रैल

यहां के चक्करगांव स्थित अण्डमान कॉलेज (एनकॉल) के 20 विद्यार्थियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने ऐतिहासिक अध्ययन एवं सामुदायिक सेवा से परिपूर्ण एक ज्ञानवर्धक दिवस का समापन किया, जिसमें राष्ट्रीय स्मारक सेल्यूलर जेल का शैक्षणिक भ्रमण तथा तत्पश्चात शोल बे–19 में समुद्र तट स्वच्छता अभियान शामिल था। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार सेल्यूलर जेल भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम का गहन अध्ययन किया, विशेष रूप से विनायक दामोदर सावरकर (वीर सावरकर) के जीवन एवं योगदान पर ध्यान केंद्रित किया। शैक्षणिक सत्र के पश्चात छात्र समूह शोल बे–19 पहुँचा, जहाँ

उन्होंने समर्पित समुद्र तट स्वच्छता अभियान में भाग लेते हुए तटरेखा से प्लास्टिक एवं अन्य अपशिष्ट पदार्थों को हटाया।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) पी. कैरल डी. सोणी
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन
सचिवालय

अधिसूचना

श्री विजय पुरम, दिनांक 1 अप्रैल, 2026

सं. 69/2026/फा.सं. 34–725/2026–राजस्व. – **चूंकि**, 'भूमि अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनःस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013' की धारा 11(1) के तहत दक्षिण अण्डमान जिला के फरारगंज तहसील के होपटाउन गाँव में सार्वजनिक प्रयोजन हेतु भारतीय तेल निगम लिमिटेड (IOCL) के लिए 'विद्यमान POL टर्मिनल को हैडो से होपटाउन गाँव में स्थानांतरण" हेतु 6.8244 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण करने के लिए राजस्व विभाग द्वारा प्रारंभिक अधिसूचना जारी की गई, जो दिनांक 29.01.2025 को अण्डमान तथा निकोबार राजपत्र में प्रकाशित हुई थी।

और, चूंकि, भारतीय तेल निगम लिमिटेड (IOCL) ने दिनांक 04.12.2025 के अपने पत्र द्वारा उक्त अधिग्रहण को वापस करने का अनुरोध किया है, क्योंकि होपटाउन में भारतीय तेल निगम लिमिटेड (IOCL) को एक नया POL टर्मिनल बनाने के लिए आबंटन हेतु प्रस्तावित भूमि IPZ अधिसूचना, 2011 के अनुसार ICRZ IA, IB और CRZ III क्षेत्रों के अंतर्गत आती है; और जबकि पेट्रोलियम, तेल और लुब्रिकेंट (POL) के भंडारण एवं प्रबंधन/हैंडलिंग की सुविधाएं हेतु अवसंरचनाओं का निर्माण ICRZ III क्षेत्रों में अनुज्ञेय है बशर्ते इसके लिए CRZ अनापत्ति प्रमाणपत्र प्राप्त हो और ऐसे अवसंरचनात्मक सुविधाओं का निर्माण ICRZ IA एवं IB क्षेत्रों में नहीं किया जा सकता है।

अब, इसलिए, 'भूमि अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनःस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013' की धारा 93(1) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उप राज्यपाल, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह एतद्द्वारा दिनांक 29.01.2025 के प्रारंभिक अधिसूचना के माध्यम से अधिसूचित भूमि के अधिग्रहण को वापस करते हैं और उक्त भूमि को अधिग्रहण से मुक्त करते हैं/गैर–अधिसूचित करते हैं।

मुक्त किए गए/गैर–अधिसूचित भूमि का विवरण

क्र. सं.	अभिधारी (टेनेंट) का नाम	सर्वेक्षण सं.	क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	वर्गीकरण	सीमाएं			
					उ.	द.	पू.	प.
1.	गीता बाई, पत्नी स्वर्गीय सुख लाल	1/1/71 2/1/72	1.36 0.29	पहाड़ी	71/1/3	71/2 तथा 60	73/2, 72/1, 72/2/पी तथा 71/2	63, 64 तथा 65
				पहाड़ी	70/2 तथा 70/17	71/1/3	73/1	65, 66 तथा 67
2.	सुमित्रा देवी एवं 02 अन्य (स्वर्गीय जय चंद लाल की सुपुत्री तथा सुपुत्र)	2/71	0.01	पहाड़ी	71/1/1	60	72/2/पी	71/1/1
3.	टी. एन्टोनी एवं 01 अन्य	72/1	0.51	पहाड़ी	74/2	72/2/पी	74/2	71/1/1
		72/2/पी	1.00	वाणिज्यिक	72/1	61 तथा 62	74/2 तथा 78	71/1/1 तथा 71/2
		73/1	0.1375	पहाड़ी	70/17	73/3	70/17	71/1/2
		73/2	0.1365	पहाड़ी	73/3	71/1/1	74/2	71/1/1
		74/1	0.9713	पहाड़ी	ना	74/3	74/1/पी	70/17
		74/2	0.3621	पहाड़ी	74/3, 75/1	72/1 तथा 72/2/पी	74/2/पी	73/2
		75/1	0.0270	पहाड़ी	75/2	74/2	74/2	74/2
4.	भगवती देवी एवं 03 अन्य	70/2	1.9700	पहाड़ी	70/18	71/1/2	70/3 तथा 70/17	65 तथा 70/18
		70/3	0.05	हाउस साइट	70/2	70/2	70/17	70/2
		कुल	**6.8244**					

इसके अलावा, उक्त अधिनियम की धारा 93(2) के तहत प्रावधानित अनुसार, कलेक्टर (भूमि अधिग्रहण), दक्षिण अण्डमान द्वारा पूर्व से चल रहे इस भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया के कारण भूमि के मालिकों को हुई क्षति, यदि कोई हो, का विधि अनुसार निर्धारण कर मुआवजा का भुगतान किया जाएगा।

एडमिरल डी. के. जोशी
पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, एनएम, वीएसएम (अवकाश प्राप्त)
उप राज्यपाल, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह।

उप राज्यपाल, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह
के आदेश से एवं उनके नाम पर,
ह./–
(येशु राज)
सहायक सचिव (राजस्व)

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति वित्त एवं विकास निगम का स्थापना दिवस आज

नई दिल्ली, 09 अप्रैल।

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति वित्त एवं विकास निगम शुक्रवार को अपना 25वां स्थापना दिवस मनाएगा। जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे। इस अवसर पर राज्यमंत्री दुर्गा दास उइके और जनजातीय कार्य मंत्रालय की सचिव रंजना चोपड़ा भी उपस्थित रहेंगी। यह कार्यक्रम नई दिल्ली के विश्व युवा केंद्र में आयोजित किया जाएगा।

जनजातीय मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान में कहा ति राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति वित्त एवं विकास निगम की साल 2001 में स्थापना की गई थी। यह जनजातीय समुदायों के आर्थिक विकास के लिए कार्य करने वाला एक प्रमुख सरकारी उपक्रम है। यह संस्था राज्य चैनलाइजिंग एजेंसियों के माध्यम से रियायती वित्तीय सहायता प्रदान कर विभिन्न आय–सृजन गतिविधियों को बढ़ावा देती है।

इस समारोह के दौरान देशभर के सफल अनुसूचित जनजाति उद्यमियों को सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने निगम की योजनाओं के तहत वित्तीय सहायता प्राप्त कर अपने व्यवसाय स्थापित किए हैं। ये उद्यमी पारंपरिक भोजन, स्वास्थ्य सेवाएं, पोल्ट्री, डेयरी, हस्तशिल्प, मत्स्य पालन, खुदरा व्यापार और सिलाई जैसे विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत हैं। कार्यक्रम में जनजातीय संस्कृति को दर्शाते हुए सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी होंगी, जिनमें पारंपरिक नृत्य और नुक्कड़ नाटक शामिल हैं।

असली आधार नंबर की जगह शेयर करें वर्चुअल आईडी, जान लें जेनरेट करने का आसान तरीका

नई दिल्ली, 08 अप्रैल।

बैंक में नया अकाउंट खुलवाने से लेकर नया सिम लेने तक लगभग हर जगह आधार कार्ड की जरूरत पड़ती है. आधार कार्ड आज के दौर में सबसे ज्यादा जरूरी डॉक्यूमेंट माना जाता है. ऐसे में लोगों को यह भी डर रहता है कि कहीं उनके आधार नंबर या डिटेल्स की मदद से स्कैमर्स उनके साथ ठगी या धोखाधड़ी न कर लें. इस खतरे से बचने के लिए आप VID का इस्तेमाल कर सकते हैं. ये VID वर्चुअल आईडी होती है जो 16 नंबर की पहचान होती है. इसे आप आप आधार नंबर शेयर करने की जगह दे सकते हैं. वर्चुअल आईडी को वीआईडी कहा जाता है. यह आधार कार्ड नंबर के लिए एक कवच की तरह काम करती है. इसकी मदद से आधार से जुड़े कार्य किए जा सकते हैं, वो भी असली आधार नंबर शेयर किए बिना. उदाहरण के तौर पर जब आप बैंक या सिम कार्ड स्टोर पर अपनी VID देते हैं तो आधार वेरिफिकेशन तो हो जाता है. लेकिन सामने वाले के पास आपका असली आधार नंबर नहीं पहुंचता है. इसकी मदद से आधार कार्ड से जुड़े स्कैम या धोखाधड़ी होने के चांस काफी ज्यादा कम हो जाते हैं.

आधार कार्ड की वीआईडी जेनरेट करना बहुत ही ज्यादा आसान है. इसके लिए आप नीच दिए गए स्टेप्स को फॉलो कर सकते हैं.

वीआईडी जेनरेट करने के लिए UIDAI की आधिकारिक

वेबसाइट https://myaadhaar.uidai.gov.in/ पर जाएं.

वेबसाइट पर जाकर अपने आधार कार्ड नंबर की मदद से लॉग इन करें.

इसके बाद डैशबोर्ड पर Generate Virtual ID पर क्लिक करें.

अब आपके सामने दो ऑप्शन आएंगे, उसमें Generate ID पर क्लिक करें.

फिर आपकी VID स्क्रीन पर दिख जाएगी और रजिस्टर्ड नंबर पर भी भेज दी जाएगी.

वर्चुअल आईडी की खास बात ये है कि आप जितनी चाहें उतनी वर्चुअल आईडी जेनरेट कर सकते हैं. जैसे ही आप नई VID जेनरेट करेंगे वैसे ही पुरानी VID रद्द हो जाएगी.

नए एशियन गेम्स क्रिकेट स्टेडियम में टी20 वर्ल्ड कप क्वालीफायर की मेजबानी करेगा जापान

टोक्यो/नागोया, 09 अप्रैल)।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने घोषणा की है कि जापान में एशियन गेम्स के लिए बनाए गए नए क्रिकेट स्टेडियम में अगले महीने पहली बार पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले जाएंगे। बेसबॉल के लिए प्रसिद्ध जापान इस साल एशियन गेम्स 2026 की मेजबानी कर रहा है, जो 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक नागोया और ऐची क्षेत्र में आयोजित होंगे। इसी के लिए तैयार किया गया नया क्रिकेट मैदान अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी शुरुआत करेगा।

नागोया के पास निशिन में स्थित यह स्टेडियम 8 से 18 मई के बीच 2028 पुरुष टी20 वर्ल्ड कप के ईस्ट एशिया–पैसिफिक क्वालीफायर मुकाबलों की मेजबानी करेगा। यह अब तक का सबसे बड़ा ईस्ट एशिया–पैसिफिक क्वालीफाइंग टूर्नामेंट होगा, जिसमें नौ टीमें भाग लेंगी। इस टूर्नामेंट के जरिए टीमें ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप के लिए अपनी दावेदारी मजबूत करेंगी। कुछ मुकाबले टोक्यो से करीब 100 किलोमीटर दूर सानो स्थित जापान क्रिकेट एसोसिएशन के मुख्यालय में भी खेले जाएंगे।

जापान क्रिकेट एसोसिएशन के मुख्य संचालन अधिकारी एलन कर ने कहा कि यह जापान के लिए एक बड़ा अवसर है, जिससे वह बहु–स्थानों पर अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट आयोजित करने की अपनी क्षमता दिखा सकता है। उन्होंने भरोसा जताया कि यह आयोजन ईएपी क्षेत्र की सर्वश्रेष्ठ टीमों को मंच देने के साथ–साथ एशियन गेम्स से पहले क्रिकेट को लेकर उत्साह भी बढ़ाएगा। इस क्वालीफायर में मेजबान जापान के अलावा कुक आइलैंड्स, फिजी, इंडोनेशिया, पापुआ न्यू गिनी, फिलीपींस, दक्षिण कोरिया, समोआ और वनुआतु की टीमें हिस्सा लेंगी।

शपथ पत्र

मैं, जस्टिन दास, उम्र 23, पुत्र श्री अरुण दास और श्रीमती अनीता दास, निवासी वन्डूर गांव, पोस्ट वन्डूर, फरारगंज तहसील, दक्षिण अण्डमान, आस्थावान हिन्दू हूं और निम्न प्रकार से सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान और घोषणा करता हूँ :

1. कि मैं इस द्वीप का स्थायी निवासी हूं और ऊपर बताए गए पते पर स्थायी रूप से निवास करता हूँ।
2. कि मेरी मां का नाम अनीता दास है, जो मेरे जन्म प्रमाण पत्र और अन्य सभी आधिकारिक अभिलेखों में उल्लेखित है, लेकिन 10वीं पास प्रमाणपत्र में मेरी मां का नाम गलत तरीके से 'अनीता दास' के बजाय 'अमिता दास' लिखा हुआ है।
3. कि मेरी मां का वास्तविक और सही नाम 'अनीता दास' है जैसा कि मेरे जन्म प्रमाणपत्र पंजीकरण संख्या 282/01 दिनांक 18.12.2001 में दर्शाया गया है।
4. कि 'अमिता दास' और 'अनीता दास' एक ही व्यक्ति के नाम हैं और इसके बाद मुझे 'अनीता दास' के नाम से जाना जाएगा, इसलिए यह शपथ पत्र प्रस्तुत कर रहा हूँ।
5. मैं यह शपथ पत्र आधिकारिक उद्देश्य के लिए दे रहा हूँ।

क्रम संख्या 1 से 5 में दिए गए उपरोक्त कथन मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है।

श्री विजय पुरम
दिनांक : 01.03.2025 शपथकर्त्ता

शपथ पत्र

मैं, सैन्य संस्था 14843538M हवलदार/क्लर्क (स्टाफ ड्यूटी) जगदीश शर्मा, वर्तमान में P-77/2, विजय बाग, श्री विजय पुरम, पिन–744103, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में निवास करता हूँ, शपथपूर्वक घोषणा करता हूँ कि सभी दस्तावेजों में मैं अपनी पुत्री का नाम RUHANI से बदलकर RUHANI SHARMA करना चाहता हूँ।

शपथकर्त्ता

ई–निविदा सूचना

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान, प्रमुख, पंचायत समिति, फरारगंज की ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए उचित श्रेणी के योग्य व अनुभवी ठेकेदारो से मुहरबंद मद दर (के.लो.नि.वि.–8 के प्रपत्र के रूप में) आमंत्रित करते है।

एन. आई. टी. संख्या : क.अ./पी आर आई/एस ए डी–।/आर आर (सीसीए)/2025–26/224

कार्य का नाम : समिति द्वारा फरारगंज ग्राम पंचायत के अंतर्गत एटीआर से गौरंगो बैद्या के घर तक मौजूदा सीसी फुटपाथ का चौड़ीकरण और उसे सीसी रोड में मिलाना।

अनुमानित लागत : रु. 13,08,175/–, धरोहर राशि : रु. 26,164/–, कार्य समाप्ति की अवधि : (04) चार माह।

निविदा शुल्क : रु. 500/–, बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 17/04/2026 के सायं 3.00 बजे तक।

निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं।

टेंडर आई डी : 2026_RDPRI_22629_1

कार्यपालक अभियंता,
पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।,
जंगलीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान

ई–निविदा सूचना

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान, प्रधान, ग्राम पंचायत, गुप्तापारा की ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए उचित श्रेणी के योग्य व अनुभवी ठेकेदारों से मुहरबंद मद दर (के.लो.नि.वि.–8 के प्रपत्र के रूप में) आमंत्रित करते है।

एन. आई. टी. संख्या : क.अ./पी आर आई/एस ए डी–।/आर आर/2026–27/01

कार्य का नाम : पीएमजीएसवाई –।। के अंर्तगत मंगलुटान में गुप्तापारा जंक्शन से सुभाष बनिक हाउस तक ग्रामीण सड़क का उन्नयन।

उप कार्य : आरसीसी पुलिया के दोनों ओर 50.00 मीटर की लंबाई में आरसीसी सड़क के समानांतर 44.70 मीटर (दोनों ओर) की लंबाई में 11.00 मीटर की चेनेज पर गैबियन संरचना प्रदान, 28 मीटर की चेनेज पर 33.00 मीटर की गैबियन संरचना, 410 मीटर की चेनेज पर 6 मीटर की गैबियन संरचना और 535 मीटर की चेनेज नर 23.00 मीटर की गैबियन संरचना प्रदान करना (कुल लंबाई 62.00 मीटर)।

अनुमानित लागत : रु. 38,87,976/–, धरोहर राशि : रु. 77,760/–, कार्य समाप्ति की अवधि : (06) छह माह।

निविदा शुल्क : रु. 500/–, बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 13/04/2026 के अपराहन 3.00 बजे तक।

निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं।

टेंडर आई डी : 2026_RDPRI_22604_1

कार्यपालक अभियंता,
पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।,
जंगलीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान

ई–निविदा सूचना

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान, प्रधान, ग्राम पंचायत, गोविन्द नगर, स्वराज द्वीप की ओर से, निम्नलिखित कार्यो के लिए उचित श्रेणी के योग्य व अनुभवी ठेकेदारो से मुहरबंद मद दर (के.लो.नि.वि.–8 के प्रपत्र के रूप में) आमंत्रित करते है।

एन. आई. टी. संख्या : क.अ./पी आर आई/एस ए डी–।/आर आर/2025–26/227

कार्य का नाम : स्वराज द्वीप, गोविन्द नगर ग्राम पंचायत के अंर्तगत गोविन्द नगर वार्ड न. 03 में अरबिंदो घरामी के घर के पास बिजली घर के नजदीक मौजूदा ब्लैक टॉप रोड की मरम्मत और रखरखाव।

अनुमानित लागत : रु. 22,16,583/–, धरोहर राशि : रु. 44,332/–, कार्य समाप्ति की अवधि : (06) छह माह।

निविदा शुल्क : रु. 500/–, बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 17/04/2026 के अपराहन 3.00 बजे तक।

निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं।

टेंडर आई डी : 2026_RDPRI_22619_1

कार्यपालक अभियंता,
पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।,
जंगलीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान

खबरों और रोचक जानकारियों के लिए पढ़िए
'द्वीप समाचार'

इतिहास के पन्नों में 10 अप्रैल : जब 'टाइटैनिक' ने पहली और अंतिम यात्रा शुरू की

नई दिल्ली, 09 अप्रैल।

10 अप्रैल की तारीख विश्व इतिहास में उस समुद्री यात्रा की शुरुआत के रूप में दर्ज है, जो आगे चलकर सबसे बड़ी त्रासदियों में से एक बन गई। आरएमएस टाइटेनिक नामक विशालकाय जहाज ने 10 अप्रैल 1912 को साउथेम्पटन बंदरगाह से अपनी पहली और अंतिम यात्रा शुरू की थी। उस समय इसे आधुनिक इंजीनियरिंग का चमत्कार माना जाता था, जिसे "डूबने वाला जहाज" तक कहा गया।

हालांकि, इस भव्य शुरुआत के कुछ ही दिनों बाद यह यात्रा भयावह अंत में बदल गई। टाइटैनिक के नाम के साथ आज भी उसकी दुर्घटना के दर्दनाक दृश्य जुड़े हुए हैं, जो इतिहास के सबसे चर्चित समुद्री हादसों में गिने जाते हैं।

दिलचस्प बात यह है कि टाइटैनिक की असल कहानी से ज्यादा उसकी छवि को लोकप्रिय संस्कृति ने आकार दिया। खासकर टाइटेनिक फिल्म ने इस जहाज की कहानी को नई पीढ़ी तक पहुंचाया। निर्देशक जेम्स कैमरन की इस फिल्म ने न केवल इतिहास को जीवंत किया, बल्कि प्रेम और त्रासदी की एक अमर कहानी भी गढ़ दी।

फिल्म के यादगार दृश्यों में लियोनार्डो डिकैप्रियो और केट विंसलेट का जहाज के डैक पर फैले हाथों के साथ खड़ा होना, नीले हीरे की माला और समुद्र के उग्र रूप ने दर्शकों के मन में गहरी छाप छोड़ी। यही कारण है कि आज टाइटैनिक का जिक्र आते ही केवल इतिहास ही नहीं, बल्कि सिनेमा के वे अमर दृश्य भी आंखों के सामने तैरने लगते हैं।

महत्वपूर्ण घटनाचक्र–1868– इथियोपिया में ब्रिटिश और भारतीय सेना ने टेवॉड्रोज़ द्वितीय की सेना को हराया और इस युद्ध में 700 इथियोपियन मारे गये, जबकि सिर्फ दो ब्रिटिश–भारतीय सैनिक शहीद हुए।

1875– स्वामी दयानंद सरस्वती ने आर्यसमाज की स्थापना की।

1916– पहले गोल्फ टूर्नामेंट का प्रफेशनल तरीके से आयोजन।

1917– महात्मा गांधी ने बिहार में 10 अप्रैल, 1917 को 'चंपारण सत्याग्रह' की शुरुआत की।

1930– पहली बार सिंथेटिक रबर का उत्पादन हुआ।

1972– ईरान में भूकंप से करीब 5 हजार लोगों की मौत।

1972– जैविक हथियारों पर के विकास, उत्पादन और भंडारण पर जैविक हथियार संधि के जरिए रोक लगा दी गई। इसपर 150 से ज्यादा देशों ने हस्ताक्षर किए।

1973– पाकिस्तान ने संविधान में संशोधन कर जुल्फिकार अली भुट्टो को राष्ट्रपति के स्थान पर प्रधानमंत्री बनाया।

1982– भारत के बहुउद्देशीय उपग्रह इनसेट–1 ए का सफल प्रक्षेपण।

1988– पाकिस्तान के रावलपिंडी और इस्लामाबाद के बीच घनी आबादी वाले एक इलाके में सेना के शस्त्र भंडार में आग लगने से जान माल का भारी नुकसान हुआ। कम से कम 90 लोगों की मौत। एक हजार से ज्यादा घायल।

1998– उत्तरी आयरलैंड में कैथोलिक एवं प्रोटेस्टेंटों के मध्य समझौता सम्पन्न।

अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों में अपनी भागीदारी तेज़ करे निजी क्षेत्र– विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री

नई दिल्ली, 09 अप्रैल।

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने गुरुवार को कहा कि निजी क्षेत्र से अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों में अपनी भागीदारी तेज़ करने का आह्वान किया गया है। उन्होंने कहा कि भारत के नवाचार तंत्र को मजबूत बनाने के लिए उद्योग की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है।

जारी करते हुए डॉ. जितेन्द्र सिंह ने बताया कि सरकार ने अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा जैसे क्षेत्रों को निजी भागीदारी के लिए खोलने सहित कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। साथ ही, शोध, विकास और नवाचार (आरडीआई) फंड जैसे विशेष तंत्र भी बनाए गए हैं, ताकि निजी क्षेत्र को अनुसंधान में निवेश के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने ज़ोर देकर कहा कि अब ध्यान केवल नीतियों के निर्माण पर नहीं, बल्कि उनके वास्तविक प्रभाव पर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि शोधकर्ताओं को आने वाली व्यावहारिक समस्याओं को समझकर ही प्रभावी सुधार संभव है।

उन्होंने यह भी कहा कि भारत में वैज्ञानिक प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, लेकिन प्रक्रियात्मक जटिलताएं और संस्थागत बाधाएं शोध के परिणामों को प्रभावित करती हैं। इसलिए फंडिंग तक आसान पहुंच, प्रशासनिक बाधाओं में कमी और परोपकार को बढ़ावा देना आवश्यक है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत के शोध पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत बनाने के लिए सरकार के साथ–साथ उद्योग, संस्थानों और समाज के सभी वर्गों की भागीदारी जरूरी है, ताकि अनुसंधान को वास्तविक उत्पादों और समाधानों में बदला जा सके।

नीति आयोग द्वारा जारी रिपोर्ट्स के अवसर पर उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने कहा कि आर एंड डी प्रक्रियाओं को सरल बनाना वैज्ञानिक समुदाय की लंबे समय से मांग रही है। उन्होंने शोध प्रणाली में समन्वय और दक्षता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया।

नीति आयोग के सदस्य वी. के. सारस्वत ने कहा कि भारत का अनुसंधान तंत्र एक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, जहां फंडिंग में देरी और प्रशासनिक अड़चनें अभी भी चुनौती बनी हुई हैं।

प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. ए. के. सूद ने कहा कि शोध को आसान बनाने के प्रयास लगातार जारी रहने चाहिए, क्योंकि अभी भी कई महत्वपूर्ण कमियां बनी हुई हैं। रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया है कि शोध प्रणाली में अधिक लचीलापन, पारदर्शिता और पूर्वानुमेयता लाना आवश्यक है, ताकि वैज्ञानिक बिना रुकावट के अपने कार्य को आगे बढ़ा सकें।

देश में एलपीजी की सप्लाई बाधित नहीं, एक दिन में आपूर्ति हुए 51 लाख से ज्यादा सिलेंडर : संयुक्त सचिव

नई दिल्ली, 09 अप्रैल।

पश्चिम एशिया संकट के बीच केंद्र सरकार ने गुरुवार को कहा कि देश में एलपीजी की सप्लाई स्थिर बनी हुई है। बुधवार को 51 लाख से ज्यादा सिलेंडर आपूर्ति किए गए हैं। साथ ही कमर्शियल एलपीजी की सप्लाई लगभग 70 फीसदी तक बहाल कर दी गई है।

पेट्रोलियम और नेचुरल गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव (मार्केटिंग और ऑयल रिफाइनरी) सुजाता शर्मा ने गुरुवार को अंतर–मंत्रालयी प्रेसवार्ता में बताया कि मौजूदा वैश्विक भू–राजनीतिक चुनौतियों के बीच एलपीजी की लगभग 60 फीसदी जरूरत आयात पर निर्भर है, जिससे इसकी उपलब्धता प्रभावित हुई है। इसे संभालने के लिए घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी गई है, जिससे घरों के लिए 100 फीसदी सप्लाई सुनिश्चित हो सके और डिस्ट्रीब्यूटरों के पास किसी भी तरह की कमी की रिपोर्ट न हो।

उन्होंने कहा कि ऑनलाइन बुकिंग 98 फीसदी तक और ओटीपी आधारित डिलीवरी 92 फीसदी तक पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि कमर्शियल एलपीजी की सप्लाई लगभग 70 फीसदी तक बहाल कर दी गई है, जिसमें मुख्य क्षेत्रों के लिए थोक सप्लाई भी शामिल है। शर्मा ने कहा कि 14 मार्च से अब तक करीब एक लाख टन गैस सप्लाई की गई है, जिसमें कल सप्लाई किए गए 6,700 टन भी शामिल हैं। यह लगभग 3.5 लाख 19 किलो वाले गैस सिलेंडरों के बराबर है।

सुजाता शर्मा ने बताया कि 5 किलो वाले रसोई गैस सिलेंडरों की उपलब्धता बढ़ा दी गई है। 23 मार्च से अब तक 10 लाख से ज्यादा सिलेंडर बेचे जा चुके हैं, जबकि कल 1. 06 लाख सिलेंडर बेचे गए। उन्होंने कहा कि 2,000 से ज्यादा जागरूकता शिविर आयोजित किए गए हैं, जिनमें 20,000 सिलेंडर वितरित किए गए। शर्मा ने बताया कि उर्वरक संयंत्रों को प्राकृतिक गैस की सप्लाई बढ़ाकर 95 फीसदी कर दी गई है, जबकि सीजीडी कंपनियां प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को पूरी सप्लाई सुनिश्चित कर रही हैं। लगभग 3. 97 लाख पीएनजी कनेक्शन चालू किए गए हैं, जबकि 4.3 लाख उपभोक्ताओं ने पंजीकरण कराया है और 18,000 से ज्यादा एलपीजी कनेक्शन वापस किए गए हैं।

क्यों मनाया जाता है विश्व होम्योपैथी दिवस? जानें इसका इतिहास और महत्व

नई दिल्ली, 09 अप्रैल।

होम्योपैथी दवाओं पर वर्षों से लोग भरोसा जताते आ रहे हैं। प्राकृतिक और सुरक्षित उपचार के रूप में इसे विश्वभर में अपनाया जाता रहा है। आज भी यह करोड़ों लोगों की पहली पसंद बनी हुई है। इसी के चलते प्रतिवर्ष अप्रैल के महीने में विश्व होम्योपैथी दिवस मनाया जाता है।

ये दिन होम्योपैथी चिकित्सा प्रणाली की उपलब्धियों, महत्व और भविष्य की दिशा को समझने का अवसर भी है। इस दिन होम्योपैथिक चिकित्सक, संस्थान और विद्यार्थी मिलकर जागरूकता अभियान चलाते हैं। लोग इसके जरिए जान पाते हैं कि किस तरह होम्योपैथी आधुनिक जीवनशैली की चुनौतियों में भी लाभकारी सिद्ध हो सकती है।

होम्योपैथी एक वैकल्पिक चिकित्सा प्रणाली है, जिसे जर्मन चिकित्सक डॉ. सैमुअल हैनीमैन ने विकसित किया। इसमें प्राकृतिक तत्वों से तैयार दवाओं का उपयोग किया जाता है। इसका मुख्य सिद्धांत है कि "जैसा रोग, वैसा उपचार" – यानी रोग का इलाज उसी तत्व से किया जाता है जो स्वस्थ व्यक्ति में उस रोग के लक्षण उत्पन्न कर सकता है। डॉ. सैमुअल हैनीमैन का जन्म 10 अप्रैल 1755 को जर्मनी में हुआ था। उन्होंने होम्योपैथी को विकसित कर दुनिया भर में इसे लोकप्रिय बनाया। विश्व होम्योपैथी दिवस उनके योगदान और चिकित्सा क्षेत्र में उनके नवाचार को सम्मानित करने के लिए मनाया जाता है।

विश्व होम्योपैथी दिवस प्रति वर्ष 10 अप्रैल को मनाया जाता है। ये दिन होम्योपैथी के जनक डॉ. हैनीमैन की जन्मतिथि के अवसर पर मनाया जाता है। इस साल विश्व होम्योपैथी दिवस 2026 की मुख्य थीम "Harmony Through Homeopathy - Healing Beyond Borders" यानी कि होम्योपैथी के माध्यम से सामंजस्य–सीमाओं से परे उपचार है।

इस दिन का उद्देश्य होम्योपैथी के लाभों और महत्व के प्रति जागरूकता फैलाना है। इसके माध्यम से लोग इस चिकित्सा प्रणाली के सुरक्षित और प्रभावशाली पहलुओं को समझ पाते हैं। यह दिवस होम्योपैथिक समुदाय को एक साथ लाकर चिकित्सा के आधुनिकीकरण और विस्तार की दिशा में प्रेरित करता है।

गुजरात के राजकोट में सफाई के लिए तैनात किया गया रोबोट ऑपरेटर, मैनुअल सफाई बंद

नई दिल्ली, 09 अप्रैल। गुजरात के राजकोट में सफाई कर्मियों से सीवर सफाई का काम बंद कराने के लिए नगर निगम ने 'रोबोट ऑपरेटर' तैनात किया है। इस कदम से हाथ से सफाई की प्रक्रिया समाप्त हो जाएगी। अब सफाईकर्मी सीधे सीवर में उतरने के बजाय रोबोट चलाने का काम कर रहे हैं। इससे उनकी सुरक्षा और जीवन स्तर में सुधार होगा।

केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय ने बताया कि राजकोट नगर निगम ने 2.29 करोड़ रुपये की लागत से रोबोटिक तकनीक अपनाई है। इस तकनीक से सफाई कर्मचारियों को सीवर में उतरने की जरूरत नहीं पड़ेगी। अब इन रोबोट्स की मदद से ऐसे स्थानों की सफाई को प्राथमिकता दी जाएगी, जहां इंसानों को भेजना खतरे से भरा होता था। साथ ही नगर निगम ने सफाईकर्मियों के लिए आधुनिक सामुदायिक भवन भी बनाया है, जिसमें विवाह एवं कार्यक्रम हॉल, रसोई, भोजन कक्ष और पार्किंग जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। यह भवन लगभग 5000 से अधिक सफाईकर्मियों के परिवारों को लाभ पहुंचाएगा।

क्या एसी का बिल बहुत ज़्यादा आ रहा है? ये 7 स्मार्ट कूलिंग हैक्स अपनाएं, बिजली बिल से मिलेगी राहत

नई दिल्ली, 09 अप्रैल।

जैसे.जैसे गर्मी बढ़ती है, वैसे.वैसे एयर कंडीशनर रोजाना की जरूरत बन जाता है, लेकिन इसके साथ बिजली का बिल भी तेजी से बढ़ता है. बहुत से लोग बिलजी के बिल को लेकर परेशान रहते हैं और एसी चलाने से भी कतराते हैं. हालांकि, थोड़ी सी समझदारी से आप बिना आराम कम किए एसी का बिजली बिल घटा सकते हैं. चाहे आपके पास स्प्लिट हो या विंडो एसी, कुछ आसान उपाय अपनाकर आप ठंडक भी पा सकते हैं और हर महीने आने वाले बिजली बिल को भी कम रख सकते हैं. चलिए आपको बताते हैं ऐसे ही कुछ स्मार्ट हैक्स, जो आपके लिए बहुत काम के साबित हो सकते हैं.

बिजली बचाने का सबसे आसान तरीका है एसी का तापमान सही रखना. एसी का तापमान 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रखें, यह सबसे ज्यादा ऊर्जा बचाने वाला तापमान माना जाता है. इससे कम तापमान रखने पर एसी ज्यादा बिजली खर्च करता है. तापमान में थोड़ा.सा बदलाव भी लंबे समय में बिजली बिल कम करने में मदद करता है.

पंखा ठंडी हवा को पूरे कमरे में जल्दी फैलाने में मदद करता है. एसी चलाते समय सीलिंग फैन या टेबल फैन जरूर चलाएं. इससे कम तापमान पर भी आराम महसूस होता है. एसी पर कम दबाव पड़ता है और बिजली की बचत होती है.

अगर ठंडी हवा बाहर जाएगी, तो एसी को ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी. सभी दरवाजे और खिड़कियां ठीक से बंद रखें. जहां से हवा बाहर जाती हो, उन जगहों को सील करें. इससे कमरे में ठंडक बनी रहती है और बिजली कम खर्च होती है. गंदे फिल्टर हवा के रास्ते को रोकते हैं. गर्मियों में हर 2 से 4 हफ्ते में फिल्टर साफ करें. साफ फिल्टर से हवा अच्छे से निकलेगी. ठंडक जल्दी मिलेगी और बिजली कम लगेगी. यह एसी की देखभाल का सबसे जरूरी उपाय है.

धूप से कमरा जल्दी गर्म हो जाता है. दिन में पर्दे या ब्लाइंड्स बंद रखें. इससे कमरे का तापमान कम रहता है. एसी को कम मेहनत करनी पड़ती है.

बिना जरूरत एसी चलाने से बिजली बिल बढ़ता है. कमरे से बाहर जाते समय एसी बंद कर दें. रात में टाइमर या स्लीप मोड का इस्तेमाल करें. यह छोटी आदत आपके बिजली बिल को कम कर सकती है.

समय–समय पर सर्विस से एसी बेहतर काम करता है. गर्मियों से पहले और बीच में प्रोफेशनल सर्विस कराएं. गैस लेवल और परफॉर्मेंस की चेक करें. सही तरह से चल रहा एसी कम बिजली खपत करता है.

जल संसाधन दिवसः संरक्षण ही घटते जल स्रोत का समाधान

नई दिल्ली, 09 अप्रैल।

हर साल 10 अप्रैल को जल संसाधन दिवस मनाया जाता है। यह सिर्फ एक तारीख नहीं बल्कि हमें याद दिलाने का दिन है कि पानी के बिना जीवन की कल्पना भी संभव नहीं है। जल संरक्षण, इसके उचित प्रबंधन और प्राकृतिक जल स्रोतों को दूषित होने से बचाने के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए ही जल संसाधन दिवस मनाया जाता है। हम रोजमर्रा की जिंदगी में पानी का इस्तेमाल तो करते हैं लेकिन अक्सर उसकी अहमियत को नजरअंदाज कर देते हैं जो भविष्य के लिए संकट पैदा कर सकता है।

भले ही पृथ्वी पर लगभग 71 प्रतिशत सतह पानी से ढकी हुई है लेकिन उसमें से केवल 3 प्रतिशत ही ऐसा मीठा पानी है जो इंसान पी सकता है या उपयोग कर सकता है। वहीं, अगर हम भारत की स्थिति देखें तो आंकड़े और गंभीर हो जाते हैं। भारत का हिस्सा दुनिया के कुल भूभाग में सिर्फ 2.45 प्रतिशत है लेकिन हमारी आबादी दुनिया की लगभग 16 प्रतिशत है। इसके बावजूद हमारे पास दुनिया के पानी का केवल 4 प्रतिशत हिस्सा है।

तेजी से बढ़ती जनसंख्या, जल स्रोतों का अत्यधिक दोहन और उनका असमान वितरण भारत में पानी की

उपलब्धता को लगातार कम कर रहा है। सतही जल जैसे नदियां, झीलें, तालाब और जलाशय, हमारे लिए मुख्य जल स्रोत हैं। मानसून और हिमालय की बर्फ के पिघलने से ये नदियां जीवनदान देती हैं। पूरे देश की नदियों में औसत वार्षिक प्रवाह लगभग 1,869 घन किलोमीटर है, लेकिन इसका सिर्फ 37 प्रतिशत ही हम प्रभावी रूप से इस्तेमाल कर पाते हैं। केंद्रीय भूजल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) की 2025 की रिपोर्ट बताती है कि देश में निरंतर और संचयी प्रयासों के परिणामस्वरूप भूजल की समग्र स्थिति में लगातार सुधार हो रहा है।

खुश रहने वालों में होती हैं ये 7 आदतें, आप इनमें से कितनी करते हैं फॉलो?

नई दिल्ली, 09 अप्रैल।

रिपोर्ट्स कहती हैं कि खुश रहने वाले लोग बीमारियों से लड़ने में ज्यादा सक्षम होते हैं। क्योंकि खुश रहने पर आपके शरीर की इम्यूनिटी बढ़ती है। इसके अलावा खुशी आपके शरीर में स्ट्रेस हार्मोन के लेवल को कम करती है और डोपामीइन–सेरेटोनिन हार्मोन्स को बढ़ाती है। खुश रहने वाले लोग कुछ आदतों को अपनाते हैं।

माफ करने की आदत– मन में बैर रखना जहर पीने जैसा है। खुश रहने वाले लोग मूव ऑन कर जाते हैं, क्योंकि वह भावनात्मक बोझ ढोना नहीं चाहते।

हैपी मोमेंट को संजोना– खुश लोग मजेदार पलों को यूं ही नहीं गुजार देते, वह उस पल को मन में संजो कर रखते हैं। ताकि पॉजिटिव फीलिंग लंबे समय तक बनी रहे।

सेल्फ कम्पैशन– खुश रहने वाले लोग जब असफल होते हैं, तो वे खुद को कोसते नहीं हैं। बल्कि खुद को दोस्त की तरह मानते हैं।

एक्सपीरियंस में इंवेस्टमेंट– खुश लोग महंगी चीजों में इंवेस्ट करने की जगह ट्रेवल, म्यूजिक प्रोग्राम या फूड को प्राथमिकता देते हैं, क्योंकि समय के साथ इसका मूल्य बढ़ता है जबकि मटेरियलिस्टिक चीजों का दाम समय के साथ घटता जाता है।

सोशल मीडिया का इस्तेमाल– खुश लोग तकनीक का

इस्तेमाल दूसरों की उपलब्धियों के आधार पर अपने हुनर को देखने के बजाय, दूसरों से जुड़ने के तरीके के रूप में करते हैं।

दूसरों की बातों को ध्यान से सुनना– खुश रहने वाले लोग सामने वाली की बात को अच्छे से सुनते हैं। वह बोलने के लिए केवल अपनी बारी का इंतजार करने के बजाय दूसरों के साथ गहराई से जुड़ते हैं।

सोने से पहले चिंतन– खुश रहने वाले लोग सोने से पहले कुछ निगेटिव देखने के बजाय इस बात पर विचार करते हैं कि दिन में क्या अच्छा हुआ। इससे दिमाग अगली सुबह पॉजिटिव चीजों को खोजने के लिए तैयार हो जाता है।

स्पेस में 'सेल टावर' की तरह काम करता है 'स्पेस नेटवर्क', जानें पृथ्वी पर कैसे पहुंचता है वैज्ञानिक डेटा

नई दिल्ली, 09 अप्रैल।

अंतरिक्ष में रह रहे एस्ट्रोनॉट्स और पृथ्वी पर बैठी टीम के बीच निरंतर संपर्क बनाए रखना बहुत जरूरी है। वैज्ञानिक इसी काम के लिए 'स्पेस नेटवर्क' नामक एक एडवांस कम्युनिकेशन सिस्टम का इस्तेमाल करता है। यह नेटवर्क अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी और इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से जुड़े रहने में मदद करता है।

सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि स्पेस नेटवर्क क्या है? स्पेस नेटवर्क में ट्रैकिंग और डेटा रिले सैटेलाइट (टीडीआरएस) का एक समूह शामिल है। ये सैटेलाइट पृथ्वी से लगभग 35 हजार किलोमीटर ऊपर जियोसिंक्रोनस कक्षा में घूमते हैं और अंतरिक्ष में 'सेल टावर' की तरह काम करते हैं। स्पेस स्टेशन अपनी कक्षा में कहीं भी हो, टीडीआरएस सैटेलाइट से संपर्क बना सकता है।

जब स्पेस स्टेशन पर कोई अंतरिक्ष यात्री मिशन कंट्रोल को डेटा, वीडियो या आवाज भेजना चाहता है, तो स्टेशन का कंप्यूटर उस डेटा को रेडियो सिग्नल में बदल देता है। यह सिग्नल स्टेशन के एंटीना के जरिए टीडीआरएस सैटेलाइट तक पहुंचता है। फिर टीडीआरएस इसे न्यू मैक्सिको के व्हाइट सैंड्स कॉम्प्लेक्स तक रिले करता है, जहां से लैंडलाइन के जरिए सिग्नल ह्यूस्टन पहुंच जाता है। पूरी प्रक्रिया मिलीसेकंड में पूरी हो जाती है, इसलिए बातचीत में कोई देरी नहीं होती।

अब सवाल है कि वैज्ञानिक प्रयोगों का डेटा पृथ्वी पर कैसे पहुंचता है? स्पेस स्टेशन पर अंतरिक्ष यात्री भौतिकी, जीव विज्ञान, खगोल विज्ञान और मौसम विज्ञान से जुड़े

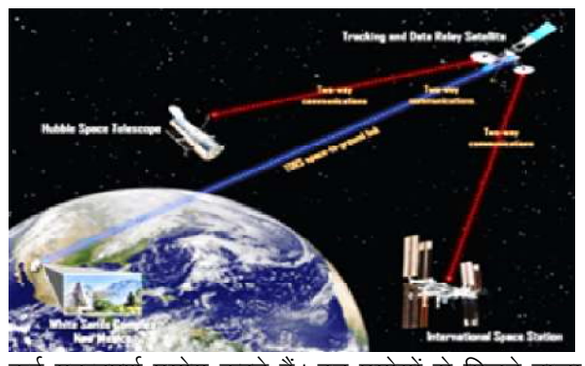

कई महत्वपूर्ण प्रयोग करते हैं। इन प्रयोगों से मिलने वाला वैज्ञानिक डेटा भी उसी स्पेस नेटवर्क के जरिए पृथ्वी पर भेजा जाता है। डेटा को रेडियो सिग्नल में बदलकर टीडीआरएस सैटेलाइट तक भेजा जाता है, फिर व्हाइट सैंड्स और ह्यूस्टन होते हुए इसे वैज्ञानिकों तक पहुंचाया जाता है। इस प्रणाली की वजह से वैज्ञानिक लगभग रीयल टाइम में डेटा प्राप्त कर पाते हैं।

अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा इस नेटवर्क का इस्तेमाल शिक्षा कार्यक्रमों के लिए भी करता है। अंतरिक्ष यात्री वीडियो और वॉइस कॉल के जरिए स्कूल के बच्चों के सवालों के जवाब देते हैं। जब यह नेटवर्क नहीं था, अंतरिक्ष यात्री पृथ्वी से सिर्फ 15 मिनट तक ही संपर्क कर पाते थे। अब लगभग हर समय संपर्क बना रहता है। स्पेस नेटवर्क का प्रबंधन नासा के गोडार्ड स्पेस लाइट सेंटर (मैरीलैंड) द्वारा किया जाता है, जबकि रणनीतिक देखरेख स्कैन प्रोग्राम ऑफिस के पास है।